5.00 P.M.

डा.अलादी पी.राजकुमार (आध्र प्रदेश): सर, माननीय सदस्य को भाषण समाप्त करने दें, उसके बाद माननीय जसवंत सिंह जी वक्तव्य दे दें।

उपसभाध्यक्ष (श्री रमा शंकर कौशिक): अब 5 बज गए हैं और कल वह जारी रहेगा और पहले उन्हीं को टाइम मिलेगा। माननीय जसवंत सिंह जी।

STATEMENT BY MINISTER

Ammunition Rotated Accident in the Laboratory of The Central Ordnance Depot, Jabalpur

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JASWANT SINGH): Sir, there was a minor ammunition related accident in the Laboratory, located in Ammunition Technical Area, (ATA) of the Central Ordnance Depot, (COD), Jabalpur, on 6^{m} August, 2001 at approximately 2.30 p.m.

Unserviceable ammunition which was being broken down prior to its disposal, ignited, resulting in some of that unserviceable ammunition, containing pellets, incendiary in nature, igniting. The activity of breakdown of unserviceable ammunition does involve degrees of such risk. That is why it is undertaken in a laboratory.

There was no loss of life. The fire was localised only to the ammunition laboratory. It was brought under control within half an hour.

SHRI SURESH PACHOURI (Madhya Pradesh): Sir, ...*(Interruptions)*...

SHRI JASWANT SINGH: Sir, I have been informed by the Minister of Parliamentary Affairs that the hon. Members would like a fuller discussion in this regard. I think there should be a fuller discussion. I appreciate and share the concern of the hon. Members. It would enable the Govemment as also the Ministry of Defence to fully clarify the aspects relating to the incidents of fire in Ordnance Depots that have taken place recently. In whatever form the Chair decides, I am told a Calling Attention Motion is being planned, we will certainly do that.

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल): सर, मेरा सिर्फ एक ही क्लेरिफिकेशन है। सवाल सिर्फ जबलपुर का नहीं है, पिछले दिनों एक के बाद ...

श्री उपसभाध्यक्ष (रमा शंकर कौशिक): बैठिए। यह तय हो गया है, इस पर कार्लिंग अंटेशन आ रहा है।

श्री सुरेश पचौरी: उपसभाध्यक्ष महोदय, नीलोत्पल बसु जी ने जो मुद्दा उठाया है, वह बहुत महत्वपूर्ण है कि 20 अप्रेल, 2000 के बाद यह सातवें एम्युनिशन डिपो में आग लगी है।

उपसभाध्यक्ष (श्री रमा शंकर कौशिक): यह तय हो गया है।

श्री सुरेश पचौरी: इसलिए सारे एम्युनिशन डिपो के संदर्भ में कालिंग अटेंशन पर चर्चा हो, ऐसा मेरा आग्रह है।

उसभाध्यक्ष (श्री रमा शंकर कौशिक): यह तो बात निश्चित हो गई है कि अब वह चर्चा सारी चीजों पर होगी जो अप्रैल महीने से हुई है। 2000 मे भी यह हादसा हुआ था, 2001 में भी हुआ है, लगातार हुआ है तो उस पर जो कालिंग अटेंशन मोशन आ रहा है, उसी पर सब हो जाएगा।

श्री जसवंत सिंह: लगातार तो बहुत बड़ा शब्द होता है। खैर, आपने कहा है अप्रैल 2000 से, आप कितना पीछे जाना चाहेंगे, उसी के अनुसार ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: 28 अप्रैल, 2000 से।

उपसभाध्यक्ष (श्री रमा शंकर कौशिक): इस साल तो अप्रैल में भी हुआ है, मई में भी हुआ है।

श्री जसवंत सिंह: वही कह रहा हूं। How far back the hon. Members wish to go in regard to the fire incidents in Ordnance Depots. I am perfectly happy if you wish to start from a certain point.

उपसभाध्यक्ष (श्री रमा शंकर कौशिक): नहीं, 2001 कह दिया है।

श्री सुरेश पचौरी: 28 अप्रैल 2000 से, जब से लगातार आग लगी है। ...(**व्यवधान**)...

डा.अलादी पी.राजकुमार (आंध्र प्रदेश)**:** बोल रहे हैं न कि 2000 से पहले भी जाना है जो जा सकते हैं। ...(**व्यवधान**)...

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन)**:** कुछ नहीं बोल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...आप चेहरे पर गुस्सा मत लाइए, कुछ नहीं कह रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष जी, हम इतना ही कह रहे थे कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सदस्य दे सकते हैं और जिस भी ध्यानाकर्षक प्रस्ताव की जिस भी भाषा में स्वीकृति सभापति जी की ओर से आएगी, उसका उत्तर मंत्री जी देंगे और उसके हिसाब से चर्चा होगी।

उपसभाध्यक्ष (श्री रमा शंकर कौशिक): उचित यह होगा कि 2001 वाली घटना को लिया जाए क्योंकि कालिंग अटेंशन मोशन जो होता है वह तात्कालिक घटनाओं पर ही होता है, इसलिए वह 2001 से ही होना चाहिए।

माननीय गृह मंत्री जी ने जो श्रीमती फूलन देवी की नृशंस हत्या पर वक्तब्य दिया था, उस पर माननीय सदस्य स्पष्टीकरण चाहते हैं और इसके लिए सबसे पहले मैं श्री सुरेश पचौरी जी को बुला रहा हूं।